B. K. Birla College of Arts, Science & Commerce, Kalyan

(Empowered Autonomous Status)

(Formerly known as Birla College of Arts, Science and Commerce, Kalyan)

Conducted by Kalyan Citizens' Education Society

Affiliated to University of Mumbai

Reaccredited by NAAC (4th Cycle) with 'A++' Grade (CGPA - 3.51) (2024 - 2031)

'College of Excellence' status by UGC (2015-2020)

ISO 9001 : 2015 Certified

18 अक्टूबर, 2025

सेवा में,

प्राचार्य / अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

विषय : दो - दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में प्रपत्र प्रस्तुति हेतु निमंत्रण पत्र |

(तिथि : 21-22 नवम्बर, 2025, शीर्षक : 'विद्यानिवास मिश्र एवं गोपालदास नीरज के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक -सांस्कृतिक बोध)

मान्यवर,

आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि **बी. के. बिड़ला (सशक्त स्वायत्त) महाविद्यालय, कल्याण, आई. सी. एस. एस. आर., दिल्ली, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् पुरस्कृत साहित्य भारती** (महाराष्ट्र) के संयुक्त तत्त्वावधान में **21-22 नवम्बर, 2025, दिन– शुक्रवार एवं शनिवार को 'विद्यानिवास मिश्र और गोपालदास नीरज के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक -सांस्कृतिक बोध'** विषय पर दो - दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया है | यह परिसंवाद हिन्दी जगत् के श्रेष्ठ ललित निबंधकार **पं विद्यानिवास मिश्र** एवं प्रसिद्ध कवि-गीतकार **गोपालदास नीरज** के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित किया गया है | इस परिसंवाद में उक्त दोनों रचनाकारों के साहित्य और उनके चिंतन पर विचार-विमर्श किया जाएगा | इस अवसर पर चर्चा एवं प्रपत्र प्रस्तुति हेतु निम्नलिखित विषय निर्धारित किये गए हैं:

१ – ललित निबन्ध : स्वरुप एवं परम्परा

२- ललित निबन्ध परम्परा और पं विद्यानिवास मिश्र

३ – पं. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में गाँव

४- पं. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में संस्कृति और लोकगीत

५- पं. विद्यानिवास मिश्र के व्यक्ति व्यंजक निबन्ध

६- पं. विद्यानिवास मिश्र के वैचारिक निबन्ध

७- पं. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में भाव पुरुष श्रीकृष्ण

८- पं. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में हिन्दू धर्म और सनातन की खोज

९- पं. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में शिक्षा संबंधी दृष्टिकोण

B. K. Birla College Road, Kalyan - 421 301. (M.S.) India ✆ : (0251) 2231293 / 2231294

Email: principal@bkbck.edu.in ★ Website : https://www.bkbck.edu.in

Scanned with CamScanner

१०- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में शहरनामा
११- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में राष्ट्रबोध
१२- पं विद्यानिवास मिश्र के यात्रा परक निबन्ध
१३- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में लोक जीवन
१४- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में मिथकीय चेतना
१५- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में राजनीतिक चेतना
१६- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में धार्मिक चेतना
१७- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में सामाजिक चेतना
१८- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में आर्थिक चेतना
१९- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में भाषिक चेतना
२०- पं विद्यानिवास मिश्र के सपनों का भारत
२१- पं विद्यानिवास मिश्र के निबंधों में राम संबंधी अवधारणा
२२- पं विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों की शिल्प योजना
२३- हिन्दी गीत परम्परा और गोपालदास नीरज
२४- गोपालदास नीरज और उनके समकालीन गीतकार
२५- गोपालदास नीरज के साहित्य में समाज
२६- गोपालदास नीरज के गीतों में प्रेम
२७-भारतीय सिनेमा में गोपालदास नीरज का योगदान
२८- गोपालदास नीरज के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना
२९- गोपालदास नीरज के साहित्य में सौन्दर्य बोध
३०- गोपालदास नीरज के गीतों का शिल्प पक्ष
३१-गोपालदास नीरज के साहित्य में सामाजिक - सांस्कृतिक बोध

इनके अतिरिक्त **गोपालदास नीरज जी के प्रमुख काव्य संग्रह** - संघर्ष, अंतर्ध्वनि, विभावरी, प्राणगीत, दर्द दिया है, बदर बरस गई, मुक्तकी, दो गीत, नीरज की पाती, गीत भी अगीत भी, आसावरी, नदी किनारे, लहर पुकारे, कारवाँ गुजर गया, फिर दीप जल गया, तुम्हारे लिए, नीरज की गीतिकायें और **पं. विद्यानिवास मिश्र के प्रमुख निबंध संग्रह** – छितवन की छांह, तुम चन्दन हम पानी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं, शेफाली झर रही है, हिन्दी और हम, नदी, नारी और संस्कृति, आँगन का पंछी और बंजारा मन, भ्रमरानन्द के पत्र, पीपल के बहाने, नैरंतर्य और चुनौती, भारतीयता की पहचान, यात्राओं की यात्रा, सपने कहाँ गए, कँटीले तारों के आर-पार, गाँव का मन, भारतीय चिंतनधारा, साहित्य का खुला आकाश, तमाल के झरोखे से **इनके अतिरिक्त उक्त दोनों रचनाकारों के सम्पूर्ण साहित्य अथवा किसी एक कृति में सन्निहित राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक - सांस्कृतिक बोध विषय पर भी आलेख तैयार किए जा सकते हैं |**

आप अपना आलेख mangal / googal के font size 13 में तैयार कर 15 नवम्बर 2025 तक drssdpandey1@gmail.com अथवा suranjebalkavi@gmail.com पर भेजने की कृपा

Scanned with CamScanner

करें | समयानुसार प्राप्त और चयनित आलेखों को त्र्यमासिक पियर रिव्यूड पत्रिका 'समीचीन' में प्रकाशित करने की भी योजना है |

मुंबई से बाहर के जिन प्रपत्र वाचकों को आवास सुविधा की आवश्यकता होगी उन्हें नीचे दिये गए खाते में 1000/ (एक हजार मात्र) की राशि प्रेषित करनी होगी | रहने के लिए एक कमरे में दो विद्वानों की व्यवस्था 20 नवम्बर, 2025 की शाम से 23 नवम्बर 2025 की सुबह तक की जायेगी |

BANK - CANARA BANK, KALYAN MAIN

NAME- B K BIRLA COLLEGE OTHER EXPENDITURE

A.C.NO. 0209101040623, IFSC: CNRB0000209

प्रपत्र वाचक विद्वान अपना विषय निश्चित करने के पूर्व आयोजक से फोन करके एक बार अवश्य विचार कर लें जिससे पिष्टपेषण से बचा जा सके और ठहरने की व्यवस्था भी निश्चित की जा सके |

धन्यवाद |

भवदीय

श्यामसुंदर

डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय
संयोजक
मो. 9820114571

डॉ. बालकवि सुरंजे
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
मो. 8080367507

डॉ. अविनाश पाटील
प्राचार्य

Scanned with CamScanner